खेतड़ी में तांबा उद्योग में कार्यरत कर्मचारी

4715. **श्री मूल चन्द डागा :** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि खेतड़ी के तांबा उद्योग में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी है और वर्ष 1978-79 और 1979-80 के लिए उनके मंजूरी-बिलों की अलग-अलग राशि कितनी है ?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी : खेतड़ी के तांबा उद्योग में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 31-3-1979 को 7966 तथा 31-3-1980 को 8311 थी । इस उद्योग के 1978-79 और 1979-80 के मजदूरी बिलों की राशि क्रमशः 697·81 लाख रुपये और 793.85 लाख रुपये थी ।

Visit of Indian delegations abroad

4716. SHRI MOHD. ASRAR AHMAD: Will the Minister of FINANCE be pleased to state.

(a) the Indian delegations visited various countries from 1st January, 1980 to date, the names of members of delegations and their leaders and the purpose for which sent; and

(b) the achievements made?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): (a) and (b). The required information for the period from 1st January, 1980 to 18th July, 1980 is being collected and will be laid on the Table of the House as early as possible.

Tax arrears against Nawabganj Sugar Mills, Gonda (U.P.)

4717. SHRI ANAND SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state.

(a) the amount of arrears against Nawabganj Sugar Mills, Nawabganj, Gonda, U.P. in the form of Income tax and Central Excise; and

(b) the action taken to recover the same?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): (a) and (b). The information is being collected and will be laid in the Table of the House.

महालेखा नियंत्रक द्वारा कर्मचारियों की नियुक्ति

4718. **श्री जैनुल बशर :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस तथ्य के बावजूद कि महालेखा नियंत्रक द्वारा वर्ष 1979 में आयोजित कनिष्ठ लेखा अधिकारी (सिविल) परीक्षा, में सफल घोषित किए गए कर्मचारी नियुक्ति के लिए उपलब्ध थे, ऐसे बहुत से कर्मचारियों की मनमर्जी से नियुक्ति की गई, जिन्होंने वस्तुतः उक्त परीक्षा पास नहीं की है या अकुशल हैं ;

(ख) यदि नहीं, तो वर्ष 1979 में दिल्ली में आयोजित उक्त परीक्षा में कुल कितने कर्मचारी सफल घोषित किए गए थे और उनमें से तथा साथ ही पूर्ति विभाग के कितने कर्मचारियों को सफल कर्मचारियों को नए पदों पर नियुक्त किया गया; और

(ग) यदि उत्तीर्ण कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की गई है तो इस के क्या कारण है ?

वित्त मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मगन भाई बरोट), (क) और (ग). चूंकि मंत्रालयों/विभागों के कनिष्ठ लेखा अधिकारी संवर्ग में रिक्तियां अनिवार्यतः उन्हीं स्थानों पर नहीं होतीं जहां पर ऐसे उम्मीदवार, जिन्होंने कनिष्ठ लेखाअधिकारी (सिविल) परीक्षा पास कर ली हो, तैनात होते है इसलिए कभी-कभी अनर्हक व्यक्तियों (अर्थात् जिन्होंने कनिष्ठ लेखा अधिकारी (सिविल परीक्षा पास न की हो) को तैनात करके तदर्थ आधार पर व्यवस्था करना आवश्यक हो जाता है क्योंकि अर्हता प्राप्त व्यक्ति अपने वर्तमान तैनाती के स्थान से बाहर जाने के लिए इच्छुक नहीं होते । इस के अलावा, लेखाओं के विभागीकरण के पश्चात् प्रतिनियुक्त व्यक्तियों के विभाजन के संबंध में भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग के साथ की गई व्यवस्था के परिणाम-स्वरूप कनिष्ठ लेखा अधिकारियों के कुछ पद उन व्यक्तियों को स्थान देने के लिए खाली रखने पड़ते हैं जिनकी प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन होने अथवा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग से स्थानान्तरित किए जाने की संभावना होती है । इन बातों को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित सामान्य मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार मंत्रालयों/विभागों को कनिष्ठ लेखा अधिकारी के पदों के स्थान पर कुछ तदर्थ पदोन्नति करनी पड़ी थी । अनर्हक व्यक्तियों की नियुक्ति में न तो कोई स्वेच्छता थी और न ही किसी अकुशल व्यक्ति की पदोन्नति की गई ।